मार्क्सवाद

- मार्क्स हीगल के द्वन्दात्मक सिद्धांत (Dialectical Philosophy) से काफी प्रभावित था।
- एंजेल्स और मार्क्स काफी अच्छे मित्र थे उसने मार्क्स के समाजवादी विचारधारा को प्रतिपादित करने में मदद की थी।
- 1848 में मार्क्स ने साम्यवादी घोषणापत्र की रचना की जिसे साम्यवादियों का धर्मग्रन्थ कहा जा सकता है।
- यहीं से वैज्ञानिक समाजवाद की शुरुआत मानी जाती है।
- मार्क्स की कुछ प्रमुख रचनाएँ निम्न है
  (1) हीगल की अधिकार संबंधी धारणा की आलोचना की प्रस्तावना (An introducation of the criticism of the Hegel's Philosophy of Right)
  (2) पवित्र परिवार (The Holy Family - 1844)
  (3) दर्शन की दरिद्रता (Poverty of Philosophy - 1847)
  (4) साम्यवादी घोषणा पत्र (The Communist manifesto 1848)
  (5) राजनीतिक अर्थ अवस्था की विवेचना (Critique of Political Economy 1859)
  (6) मूल्य, कीमत और लाभ (value, Price and Profit 186
  (7) पूँजी प्रथम खण्ड (Das Capital 1867) दूसरा - 1885 तीसरा 1894 इन खण्डों को एंजेल्स ने पूरा किया था।
  (8) फ्रांस में वर्ग संघर्ष (Class Struggle of France 1870-
  (9) गोथा प्रोग्राम और क्रांति तथा प्रतिक्रान्ति (Gotha Programme, Revolution and Counter Revolution)

- मार्क्स भौतिकवादी है और वह आर्थिक नियतिवाद में विश्वास करता है

- मार्क्स के ऊपर फ्रेंच समाजवादी साइमन और फ्यूरिये के विचारों का भी काफी प्रभाव पड़ा है।

- सेन्ट साइमन ने यह प्रतिपादित किया की स्वयं श्रम करने वाले वर्ग को ही जीवित रहने का अधिकार है।

- फेबट के विचारों से प्रभावित होकर मार्क्स ने 1847 में साम्यवादी लीग की स्थापना की थी।

- मार्क्स ने कहा मैंने हीगल में द्वन्द्वात्मक तर्क अपने सिर के बल पर खड़ा पाया, मैंने उसे सीधा कर पैरों के बल खड़ा कर दिया।

- मार्क्स कहते हैं "मानवीय चेतना उसके सामाजिक अस्तित्व का निर्धारण नहीं करती। इसके विपरीत उसका सामाजिक अस्तित्व उसकी चेतना का निर्धारण करता है।"

- मार्क्स ने कहा "व्यक्ति अपना इतिहास स्वयं बनाता है।"

- केरयू हण्ट ने कहा "समाजशास्त्र के सभी आधुनिक लेखक मार्क्स के प्रति ऋणी हैं, यद्यपि वे इसे स्वीकार नहीं करते।"

- मार्क्स के साम्यवादी घोषणा में कहा गया है कि "अब तक के समस्त सामाजिक जीवन का इतिहास वर्ग संघर्ष का ही इतिहास है।"

- मार्क्स ने वर्गसंघर्ष की धारणा ऑगस्टाइन थीरे से लिया था।

- 'अतिरिक्त मूल्य सिद्धांत' का वर्णन मार्क्स ने Das Capital में किया है।